No. of Printed Pages : 8

EHI-05

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2018

14501

ELECTIVE COURSE : HISTORY

EHI-05 : INDIA FROM MID-18th CENTURY TO MID-19th CENTURY

Time : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

(Weightage : 70%)

Note : *This question paper has **three** sections. The students have to attempt any **two** questions in about **500** words each from **Section I**, any **four** questions in about **250** words each from **Section II** and any **two** short notes in about **100** words each from **Section III**. The marks are mentioned against each question.*

SECTION I

1. Comment on the differences between the Orientalists and the Utilitarians. *20*

2. Discuss the nature of Indian polity in the mid 18th century. 20

3. Discuss the nature of the Revolt of 1857. Why did it fail ? 20

4. Analyse the commercialization of Indian agriculture under the British rule. 20

SECTION II

5. Did the Maratha administration revolve only around 'Fitna' ? Discuss. *12*

6. What was the approach of the 'Wood's Despatch' towards universalizing education ? Discuss. *12*

7. Discuss the formation of the Indian Civil Service. Was it effective in taking forward the rule of law ? *12*

8. Comment on the nature of the Sanyasi Rebellion. *12*

9. Discuss the British policy towards Afghanistan. *12*

10. Discuss the impact of Western ideas on Indian minds. *12*

11. Write a note on the reform movements in 19^{th} century Western India. *12*

12. Discuss the Government of India Act of 1858. *12*

SECTION III

13. Write short notes on any ***two*** of the following in about 100 words each : *6+6=12*

(a) William Jones

(b) British Policy Towards Burma

(c) Rise of Novel in the 19th Century

(d) Moplah Rebellion

ई.एच.आई.-05

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास

ई.एच.आई.-05 : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक का भारत

समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*
(कुल का : 70%)

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं । विद्यार्थियों को **खण्ड I** में से कोई दो प्रश्न लगभग **500** शब्दों (प्रत्येक) में, **खण्ड II** में से कोई **चार** प्रश्न लगभग **250** शब्दों (प्रत्येक) में तथा **खण्ड III** में से कोई दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग **100** शब्दों (प्रत्येक) में करने हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।*

खण्ड I

1. प्राच्यवादियों तथा उपयोगितावादियों के बीच अंतरों पर टिप्पणी कीजिए । *20*

2. अठारहवीं शताब्दी के मध्य में भारतीय राजनैतिक व्यवस्था (राजतंत्र) के स्वरूप की विवेचना कीजिए । *20*

3. 1857 के विद्रोह के स्वरूप की विवेचना कीजिए । इसकी असफलता के क्या कारण थे ? *20*

4. ब्रिटिश शासन के अधीन भारतीय कृषि के वाणिज्यीकरण का विश्लेषण कीजिए । *20*

खण्ड II

5. क्या मराठा प्रशासनिक व्यवस्था का केन्द्र-बिन्दु केवल 'फितना' था ? विवेचना कीजिए । *12*

6. शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण के प्रति 'वुड्स डिस्पैच' का क्या दृष्टिकोण था ? विवेचना कीजिए । *12*

7. भारतीय सिविल सेवा के गठन की विवेचना कीजिए । क्या यह क़ानून पर आधारित शासन को प्रोत्साहन देने में प्रभावी थी ? *12*

8. सन्यासी विद्रोह के स्वरूप पर टिप्पणी लिखिए । *12*

9. अफ़ग़ानिस्तान के प्रति ब्रिटिश नीति की विवेचना कीजिए । *12*

10. पश्चिमी विचारों का भारतीयों की सोच पर क्या प्रभाव पड़ा ? विवेचना कीजिए । *12*

11. उन्नीसवीं शताब्दी में पश्चिमी भारत में सुधार आंदोलनों पर एक टिप्पणी लिखिए । *12*

12. 1858 के भारत सरकार अधिनियम की विवेचना कीजिए । *12*

खण्ड III

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *6+6=12*

(क) विलियम जोन्स

(ख) बर्मा के प्रति ब्रिटिश नीति

(ग) उन्नीसवीं शताब्दी में उपन्यास का उदय

(घ) मोपलाह विद्रोह